हीरो

कीमत ३० पैसे

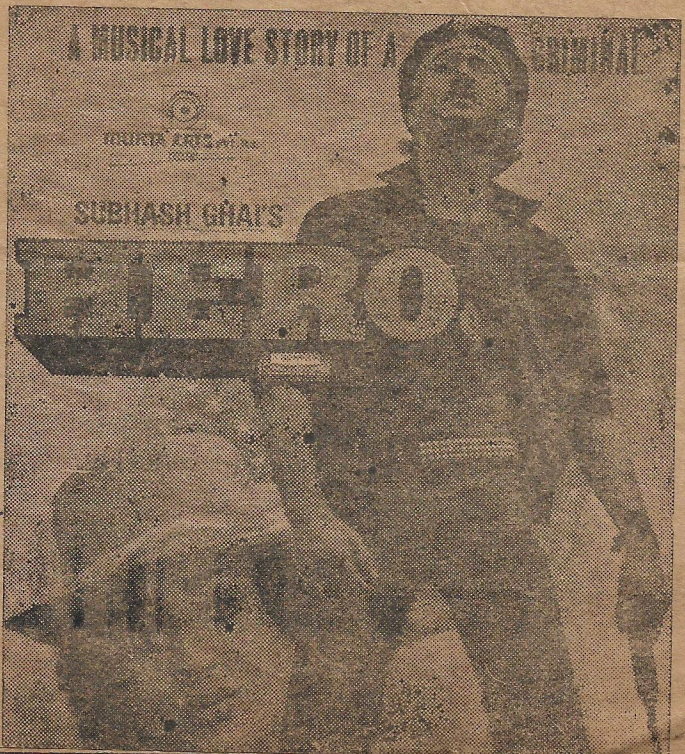

सारिका १७३१

● मुक्ता आर्ट प्रा. लि. प्रेझेंट ●

दिग्दर्शक-सुभाष घई ★ संगीत-लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल

कलाकार-शम्मीकपूर, संजीवकुमार, मीनाक्षी शेषाद्री, जॉकी श्रॉफ.

गीतकार-आनंद बक्षी

हिरो के गाने

गायिका-लता मंगेशकर -१-

निंदियां से जागी बहार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार, कूके कूके गाये मल्हार
निंदिया से जागी बहार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
पनी पसा पनी पसा, मै हूं अभी कमसिन कमसिन
निधा निधा गम पम पम रेगा गरे गरे नीसा सा गा पा
मै हूँ अभी कमसिन कमसिन, जानू न कुछ इसाबिन इसाबिन
राते जवानी की वाली उमर के दिन आ...
कब क्या हो नही ऐतवार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार निंदिया से जागी बहार
कैसी ये रुत आई रुत आई सुन के मै शरमाई शरमाई
कानों में कह गई क्या जाने ये पुरवाई आ...
पहले फूलो ने किरनों के हार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार कूके कूके गाये मल्हार
निंदिया से जागी बहार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार आ...आ...

गायक-मनहर, अनुराधा और साथी -२-

कोरस : सा सा रे रे ग ग म म प डिंग डांग
ओ बेबी सिंग ए साँग सुजुम डिंग डाँग
ओ बेबी सिंग ए सांग सुजुम डिंग डांग
ओ बेबी सिंग ए सांग आज.....
की शाम का प्यार के नाम का

अनुराधा : जब जब, जब जब २ बाजे यादो की बन्सी
तब २ दिन उड जाये बन के गीतों के पंछी

कोरस : आ ऊ आ ऊ हूं हूं... डिंग डाँग बेबी सिंग ए साँग

अनुराधा : ला ला ला ला ला ला

मनहर : जंजीर कोरस : जंजीर

मनहर : है पाँव में पहरे है फिजाओ में

कोरस : जंजीर है पाँव में पहरे है फिजाओ में

अनुराधा : फिर भी डरते फिरते है इन बदमस्त हवाओ में...
प्रेमियों के सच्चे प्रीतों के पंछी...

कोरस : आ ऊ आ ऊ डिंग डाँग ओ बेबी सिंग ए साँग..
बनती बाते बिगडे कोरस : तो

मनहर : बाग बहारे उजडे कोरस : तो

अनुराधा : कभी २ डर लगता है आज मिले कल बिछडे तो
मिले कहाँ, परदेशी मीलो के पंछी...

कोरस : आ ऊ आ ऊ डिंग डाँग ओ बेबी सिंग ए साँग

अनुराधा : ला ला ला ला ला ला...

मनहर : तीरों से कोरस : तलवारों से
मनहर : न ऊँची कोरस : दिवारों से
मनहर : रोके गए ना लोगों से यार जा मिले यारों से
अनुराधा : दुनियाँ से न हारे जीतों के पंछी...
कोरस : आ ऊ आ ऊ डिंग डाँग ओ बेबी सिंग साँग
अनुराधा : आज की शाम का प्यार के नाम का ल ल...
कोरस : डिंग डाँग
अनुराधा : के मा रे सा रे धपा पा पा रे
गम गम मगरे ल ला...ल ला...

३–प्यारेलाल, अनुराधा, मनहर और साथी

अनुराधा : मेरा जानम मेरा साजन मेरा साजन मेरा बालम...
मेरा बालम मेरा मजनू, मेरा मजनू मेरा राजा जानू
तू मेरा जानू है तू मेरा दिलबर है २
मेरी प्रेम कहानी का तू हीरो है
मनहर : पर प्रेम ग्रंथ के पन्नो पर अपनी
तकदीर तो जीरो है ओ...
अनुराधा : दिलवाले मे न कोई अमीर होता है न गरीब होता है
मनहर : किसी किसी को ये प्यार नसीब होता है
अनुराधा : दिल की दुनिया से ये दुनिया दूर होती है
दिल करीब होता है
मनहर : कोई कोई ऐसा खुशनसीब होता है
अनुराधा : तेरी बाते तू ही जाने मै तो बस इतना जानूँ ३

कोरस : सा सा रे सा, ग सा रे मा, रे नी धा नी सा सा
मनहर : प्रेमी के हाथों मे प्रेम लकीरे होती है तहरीरें होती है
अनुराधा : नहीं नहीं आंखो में तस्वीर होती है
मनहर–प्यार वो करते है जिनकी तकदीर होती है जागीर होती है
अनुराधा : कुछ भी हो लेकिन रांझे की हीर होती है
मनहर : ये सब किस्से है पुराने मै तो बस इतना जानूँ
के प्रेम ग्रंथो के पन्नो पर, अपनी तकदीर तो जीरो है...ओ...
अनुराधा : के प्रेम ग्रंथो के पन्नो पर तू मेरा हीरो है आ...
अनुराधा–इतना काफी है तू मुझे प्यार करता है, इकरार करता है
मनहर : प्यार तुझे इक पल में दिल सौ बार करता है
अनुराधा : देखे कौन जुदा हमको दिलदार करता है
इनकार करता है
मनहर : प्यार कहाँ लोगों का इंतजार करता है
अनुराधा : तेरी बाते तूही जाने मै तो बस इतनाही जानूँ ३
मनहर : मै तरा जानूँ हूं तू मेरी दिलबर है
अनुराधा : पर प्रेम ग्रंथ के पन्नो पर तू मेरा हीरो है ओ...
मनहर : तू मेरी जानूँ है तू मेरी दिलबर है २

४– रेशमा—

बिछडे अभी तो हम बस कल परसों
जीऊंगी मै कैसे, इस हाल में बरसों
मौत न आई तेरी याद क्यों आई, हाय लम्बी जुदाई
चार दिनादा प्यार ओ रब्बा, बडी लम्बी जुदाई २

होठों पे आई मेरी जान दुहाई, हाय लम्बी जुदाई
एक तो सजन मेरे पास नहीं रे
दूजे मिलन दी कोई आस नहीं रे २
उम्र प ये सावन आया...२ आग लगाई हाय लम्बी जुदाई
टूटे जमाने तेरे हाथ निगोडे, हाथ निगोडे
जिन के दिलों से तू ने शीशे तोडे, शीशे तोडे
हिजर की ऊंची...दीवार बनाई, हाय लम्बी जुदाई
बाग उजड गए खिलने से पहले
पंछी बिछड गए मिलने से पहले
कोयल की हूक में कूक उठाई हाय लम्बी जुदाई
चार दिनादा प्यार ओ रब्बा बडी लम्बी जुदाई
होठों प आई मेरी जान दुहाई हाय लम्बी जुदाई

५–मनहर, लता मंगेशकर और साथी

मनहर : ओ.. ओ .. लता : ओ ओ...
लोगों स सुना है, किताबों में लिखा है
सबने यही कहां है प्यार करने वाले कभी डरते नहीं
हां डरते नहीं जो डरते है वो प्यार करते नहीं
मनहर : प्यार करनेवाले कभी डरते नहीं हां डरते नहीं
जो डरते है वो प्यार करते नहीं
लता : आ . आ ओ...ओ...
मनहर : लंबी दीवारे चुनावा दो लाख बिठा दो पहरे
मनहर : रास्ते में बिछो दो ऊंचे पर्वत सागर गहरे
लता रास्ते में बिछा दो ऊंचे पर्वत सागर गहरे

मनहर : तूफाँ कब रुकते है लता : बादल जब झुकता है
कोरस : हा तूफाँ कब रुकते है बादल जब झुकता है
सारे कह उठते है
मनहर : प्यार करनेवाले कभी डरते नहीं हां डरते नहीं
लता : जो डरते है वो प्यार करते नहीं कोरस : आ...आ...
लता : प्यार छुपे ना खुशबू ऐ ऐलान कहो तो कर दू
मनहर : चुटकी भर सिंदूर माँगा दे माँग मे तेरी भर दूं
लता : हूं हूं दुनियां क्या कर लेगी मनहर : दुनियां से कहेगी
कोरस : ओ दुनियां क्या कर लेगी बस कहती ही रहेगी
प्यार करने वाले कभी डरते नहीं हां डरते नहीं
जो डरते है वो प्यार करते नहीं

–सुरेश वाडकर, लता और साथी

सुरेश : हूं...कयामत है ये नजाकत है ये शरारत है ये शिकायत है
कोरस : हूं कयामत है ये नजाकत है ये
शरारत है ये शिकायत है ये
सुरेश : शराफत है अदावत है ये इनायत है ये इबादत है ये
कोरस : शराफत है ये अदावत है ये
इनायत है ये इबादत है ये शिकायत शरारत अदावत
इनायत इबादत बगावत हूं ..
सुरेश : मोहब्ब ये मोहब्बत कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत
लता : मोहब्बत ये मोहब्बत कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत
लता : हूं...ओ जिंदगी की शान है ये आदमी की जान है ये
कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत

सुरेश : ओ कहने की शबनम का कतरा, कतरे में तूफान है
कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत
लता : इससे जो टकरायेगा २, वो बहुत पछतायेगा २
सुरेश : टूट कर रह जाएगा २
लता : रास्ता इसका जो रोके २, वो बडा नादान है
कोरस : मोहब्त ये मोहब्बत लता मोहब्बत ये मोहब्बत
सा सा गम प, सा सा रे ग न पनी सा
सुरेश : दिल का मतलब इश्क है २
लता : कुछ नही सब इश्क है २
सुरेश : रब है क्या रब इश्क है रब इश्क है
लता : ओ बस वो दिल घर है खुदा का २
दिलमें ये मोहब्बत है, मोहब्बत ए मोहब्बत
सुरेश : कोई कितना हो गरीब २
लता : प्यार जिसको है नसीब २
सुरेश : वो बडा है खुशनसीब २
जिसकी किस्मत में ये नही २ खाक वो इन्सान है
मोहब्बत ये मोहब्बत जिन्दगी की शान है ये
आदमी की जान है ये मोहब्बत ये मोहब्बत
ओ कहने को शबनम का कतरा कतरे में तूफान है
© मोहब्बत ये मोहब्बत २

प्रकाशक : एफ्. बी. बुरहाणपूरवाला, सेन्ट्रल प्रकाशन, पाववाला स्ट्रीट, मुं.४.
मुद्रक : ए. एफ. बुरहाणपूरवाला, महाराष्ट्र प्रिंटरी, पाववाला स्ट्रीट, मुं. ४.